

समाचार वाणी

खबर जो करें असर !

नाशिक | Thursday, 10 September 2026

साहस से सफलता तक की प्रेरणादायक यात्रा : 'माझं वृंदावन' की संस्थापक मानसी बाबाजी निघोट की कहानी

Sanket Morankar

Published on 05 Jan 2026



सफलता की कहानियाँ अक्सर शोर से नहीं, बल्कि साहस से जन्म लेती हैं। ऐसी ही एक शांत लेकिन अत्यंत प्रेरणादायक कहानी है **मानसी बाबाजी निघोट** की, जिन्होंने अपने दृढ़ निश्चय, धैर्य और आत्मविश्वास के बल पर '**Maz Vrundavan**' (**माझं वृंदावन**) को एक भरोसेमंद और सम्मानित ब्रांड के रूप में स्थापित किया।

जब संसाधन सीमित थे और भविष्य अनिश्चित, तब भी मानसी ने अपने सपने पर विश्वास बनाए रखा। बिना किसी बड़े निवेश या शॉर्टकट के, उन्होंने कड़ी मेहनत और ईमानदार प्रयास के दम पर अपने उद्यम की नींव रखी।

पहली पीढ़ी की उद्यमी होने के नाते, मानसी को शुरुआत में अनेक कठिनाइयों का सामना करना पड़ा।

ग्राहकों तक पहुँचना, सीमित स्तर पर उत्पादन संभालना, बाज़ार की पसंद को समझना और साथ ही व्यक्तिगत जिम्मेदारियों के साथ व्यवसाय को संतुलित करना—ये सभी रोज़मर्रा की चुनौतियाँ थीं।

विकास धीमा था और परिणाम तुरंत दिखाई नहीं देते थे। लेकिन निराश होने के बजाय, मानसी ने हर समस्या को एक सीख के रूप में अपनाया। ग्राहक प्रतिक्रिया, बाजार का व्यवहार और निरंतरता का महत्व उनके मार्गदर्शक बन गए। प्रत्येक संघर्ष ने उन्हें और अधिक मजबूत बनाया।

Maz Vrundavan को अलग पहचान दिलाने वाली सबसे बड़ी ताकत रही—गुणवत्ता और प्रामाणिकता के प्रति अडिग प्रतिबद्धता।

मानसी का मानना था कि यदि उत्पाद ईमानदारी और शुद्धता से तैयार किए जाएँ, तो ग्राहकों का विश्वास अपने आप बनता है।

यही सोच सही साबित हुई। ग्राहकों को उत्पादों की शुद्धता, स्वाद और स्थिर गुणवत्ता पसंद आने लगी। धीरे-धीरे **मुँह-जबानी प्रचार (Word of Mouth)** ही Maz Vrundavan की सबसे बड़ी ताकत बन गया। दोबारा आने वाले ग्राहक और बढ़ती मांग

ने इस विश्वास को और मजबूत किया।

जैसे-जैसे ब्रांड पर भरोसा बढ़ा, वैसे-वैसे उसका दायरा भी विस्तृत होता गया।

छोटे और सीमित ऑर्डर से शुरू हुआ सफर अब नियमित और थोक ऑर्डर तक पहुँच चुका है। अलग-अलग शहरों और क्षेत्रों से मिलने वाले ऑर्डर इस यात्रा में एक महत्वपूर्ण उपलब्धि बने।

मानसी ने बढ़ती मांग के साथ अपने उत्पादन तरीकों में सुधार किया, लेकिन गुणवत्ता से कभी समझौता नहीं किया। Maz Vrundavan का हर कदम तेज़ नहीं, बल्कि **स्थिर और भरोसेमंद** विकास की मिसाल रहा।

मानसी बाबाजी निघोट की सफलता केवल बिक्री या विस्तार तक सीमित नहीं है। यह आत्मनिर्भरता, आत्मसम्मान और सशक्तिकरण की कहानी है।

Maz Vrundavan के माध्यम से उन्होंने यह सिद्ध किया कि महिलाएँ भी धैर्य, अनुशासन और नैतिक मूल्यों के साथ एक सफल व्यवसाय खड़ा कर सकती हैं।

उनकी यात्रा विशेष रूप से उन महिलाओं और युवाओं के लिए प्रेरणा है, जो छोटे स्तर से शुरुआत करने से हिचकिचाते हैं। मानसी की कहानी बताती है कि सही सोच और निरंतर प्रयास से छोटा आरंभ भी बड़ी सफलता में बदल सकता है।

आज **Maz Vrundavan** सिर्फ एक ब्रांड नहीं, बल्कि मूल्यों का प्रतीक बन चुका है। यह प्रतिनिधित्व करता है:

- ग्राहक विश्वास और संतोष
- पारंपरिक तरीकों का आधुनिक दृष्टिकोण से मेल
- मात्रा से अधिक गुणवत्ता
- नैतिक और स्थायी व्यापार पद्धतियाँ

यही सिद्धांत ब्रांड की पहचान और लंबे समय तक मिलने वाली ग्राहक निष्ठा का आधार बने हैं।

मानसी बाबाजी निघोट की कहानी यह याद दिलाती है कि सफलता तुरंत नहीं मिलती, लेकिन ईमानदार मेहनत से बनी सफलता हमेशा टिकाऊ होती है।

प्रारंभिक संघर्षों से लेकर Maz Vrundavan को एक भरोसेमंद नाम बनाने तक, उनका सफर धैर्य, लगन और आत्मविश्वास का उत्कृष्ट उदाहरण है।

छोटी शुरुआत से सम्मानित उद्यम तक की यह यात्रा उन सभी के लिए प्रेरणा है, जो छोटे सपनों से शुरुआत कर बड़े लक्ष्य पाना चाहते हैं।

उनकी मेहनत और योगदान को सम्मान देते हुए **मानसी बाबाजी निघोट** को

“महाराष्ट्र बिज़नेस आइकन 2025 / महाराष्ट्र स्टाइल आइकन 2025 / महाराष्ट्र फैशन आइकन 2025” पुरस्कार के लिए चयनित किया गया है।

यह सम्मान **Reseal.in** और **India Fashion Icon Magazine** द्वारा प्रदान किया जा रहा है, जो महाराष्ट्र के उभरते उद्यमियों और प्रतिभाओं को राष्ट्रीय मंच देता है।

इस भव्य पुरस्कार समारोह की शोभा बढ़ाने के लिए उपस्थित रहेंगी:

- सुश्री वर्षा उसगांवकर
- सुश्री सोनाली कुलकर्णी
- सुश्री प्रार्थना बेहरे

इस कार्यक्रम का आयोजन

श्री सुधीर कुमार पाठाडे, संस्थापक एवं CEO – Reseal.in (Sure Me Multipurpose Pvt. Ltd.) के नेतृत्व में किया जा रहा है, जो लगातार प्रतिभाशाली उद्यमियों को आगे बढ़ाने का कार्य कर रहे हैं ।

DISCLAIMER: the views/contents expressed/presented herein, within this advertorial and promotional feature are the sole and exclusive responsibility of individual clients/expert/their authorised representative/Sanket Morankar, to which effect, publication house/its representative/affiliates are not responsible/liable whatsoever.